बालमन

कैमूर

Powered by Teachers of Bihar

वर्ष 2023

माह अगस्त

अंक 20

प्रधान संपादक :- धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा भभुआ (कैमूर)]

Dheeraj Kumar- +91 9431680675

Teachers of Bihar - +91 7250818080

info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

wwww.teachersofbihar.org

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)
शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-9544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उददेश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में रचनात्मक सोच विकसित होगा।

मै सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

पूरा देश अगस्त महीने में आजादी का जश्न मनाने में लगा हुआ है। आज हम एक आज़ाद देश में आज़ादी के साथ रह रहे है।हमे इस आजादी के लिए अपनी जान देने वाले वीर सपूतों को सदैव याद और नमन करते हुए आजादी के महत्व को समझना चाहिए। स्वतंत्रता दिवस के साथ इस महीने ही रक्षा बंधन का पवित्र पर्व है। हमे वन संरक्षण हेतु पेड़ो को भी रक्षा सूत्र बांध कर संरक्षण हेतु संकल्प लेना चाहिए।

बच्चो !दिन - प्रतिदिन बालमन टीम द्वारा प्राप्त पोस्ट से आपके उत्साह को देख कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। पत्रिका के इस अंक को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है।यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक जरूर पहुंचाए।इसके साथ ही घड़ा/मटका पर चित्रकारी प्रतियोगिता में शामिल होने के आप सभी को धन्यवाद।

हमारी TOB बाल मन कैमूर पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है।हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

आपका

धीरज कुमार

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा

भभुआ(कैमूर)

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर

प्रधान सहयोगी सदस्य

बालमन चांद प्रखंड

प्रमोद कुमार "निराला "(प्रधान संपादक बालमन चांद)

बालमन कुदरा प्रखंड

कमलेश कुमार (प्रधान संपादक बालमन कुदरा)

विज्ञान कॉर्नर

1.राजेश कुमार सिंह (महाबल भृगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय भभुआ)

दर्शनीय स्थल की जानकारी

1.कुमार राकेश मणि (UMS कोटा नुआंव)

रोचक गणित

कुमार राकेश मणि (UMS कोटा नुआंव)

कविता संग्रह टीम लीडर

खुश्बू कुमारी (UMS दुघरा भभुआ)

बालमन कविता

1.साक्षी सिंह (छात्रा) UMS दुघरा, भभुआ
2. रिंकी कुमारी (छात्रा)UHS केवढी, कुदरा
5. अशोक कुमार (शिक्षक)NPS भटवलिया नुआंव
5.प्रेमशंकर(UHS खनेठी भभुआ)

कहानी संग्रह

1.डॉक्टर अशोक (पटना बिहार)

विशेष आभार

टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार सर और टेक्निकल सपोर्ट टीम लीडर शिवेंद्र सुमन सर सहित टीचर्स ऑफ बिहार परिवार के सभी टीम लीडर रोचक तथ्य,स्वास्थ्य सुझाव, विश्व के धरोहर,सुविचार,दिवस विशेष,खेल कॉर्नर,गणित कॉर्नर,जयंती विशेष ,दिवस प्रेरणा,पर्यावरण अध्ययन और शिक्षा शब्दकोश आदि के लिए टीम का विशेष आभार प्रकट करते है।

सुविचार

गलतियाँ नहीं, हमेशा समाधान ढूंढे।

हेनरी फोर्ड

राकेश कुमार

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखेरेगी
और प्रतिभा सबकी निखेरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

अगस्त 2023

एक गिलास पानी

सरकारी कार्यालय में लंबी लाइन लगी हुई थी। खिड़की पर जो क्लर्क बैठा हुआ था, वह तल्ख़ मिजाज़ का था और सभी से तेज स्वर में बात कर रहा था।उस समय भी एक महिला को डांटते हुए वह कह रहा था, "आपको ज़रा भी पता नहीं चलता, यह फॉर्म भर कर लायीं हैं, कुछ भी सही नहीं है। सरकार ने फॉर्म फ्री कर रखा है तो कुछ भी भर दो, जेब का पैसा लगता तो दस लोगों से पूछ कर भरतीं आप।"एक व्यक्ति पंक्ति में पीछे खड़ा काफी देर से यह देख रहा था, वह पंक्ति से बाहर निकल कर, पीछे के रास्ते से उस क्लर्क के पास जाकर खड़ा हो गया और वहीं रखे मटके से पानी का एक गिलास भरकर उस क्लर्क की तरफ बढ़ा दिया। क्लर्क ने उस व्यक्ति की तरफ आँखें तरेर कर देखा और गर्दन उचका कर 'क्या है?' का इशारा किया।उस व्यक्ति ने कहा, "सर, काफी देर से आप बोल रहे हैं, गला सूख गया होगा, पानी पी लीजिये।"क्लर्क ने पानी का गिलास हाथ में ले लिया और उसकी तरफ ऐसे देखा जैसे किसी दूसरे ग्रह के प्राणी को देख लिया हो! और कहा, "जानते हो, मैं कड़वा सच बोलता हूँ, इसलिए सब नाराज़ रहते हैं, चपरासी मुझे पानी तक नहीं पिलाता!"वह व्यक्ति मुस्कुरा दिया और फिर पंक्ति में अपने स्थान पर जाकर खड़ा हो गया।

अब उस क्लर्क का मिजाज बदल चुका था, काफी शांत मन से उसने सभी से बात की और सबको अच्छे से सेवाएंदेनीशुरू की।शाम को उस व्यक्ति के पास एक फ़ोन आया, दूसरी तरफ वही क्लर्क था, उसने कहा, "भाई साहब, आपका नंबर आपके फॉर्म से लिया था, धन्यवाद देने के लिये फ़ोन किया है। मेरी माँ और पत्नी में बिल्कुल नहीं बनती, आज भी जब मैं घर पहुंचा तो दोनों बहस कर रहीं थी, लेकिन आपका गुरुमंत्र काम आ गया।"

वह व्यक्ति चौंका, और कहा, "जी? गुरुमंत्र?"

"जी हाँ, मैंने एक गिलास पानी अपनी माँ को दिया और दूसरा अपनी पत्नी को और यह कहा कि गला सूख रहा होगा पानी पी लो। बस तब से हम तीनों हँसते-खेलते बातें कर रहे हैं।अब भाई साहब, आप आज हमारे घर पर खाने पर आइये।""जी! लेकिन, खाने पर क्यों?"

क्लर्क ने भर्राये हुए स्वर में उत्तर दिया, "गुरू माना है तो इतनी दक्षिणा तो बनेगी ना आपकी और ये भी जानना चाहता हूँ, एक गिलास पानी में इतना जादू है तो खाने में कितना होगा ?

सोशल मीडिया से

Teachers of Bihar
The change makers

अमरेंद्र कुमार

विश्व के धरोहर

साँची का स्तूप

साँची *(Sanchi)* भारत के मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन ज़िले में साँची नगर के पास एक पहाड़ी पर स्थित एक छोटा सा गांव है। यह बेतवा नदी के किनारे, भोपाल से *46* कि॰मी॰ पूर्वोत्तर में, तथा बेसनगर और विदिशा से *10* कि॰मी॰ की दूरी पर मध्य प्रदेश के मध्य भाग में स्थित है। यहाँ कई बौद्ध स्मारक हैं, जो तीसरी शताब्दी ई.पू. से बारहवीं शताब्दी के बीच के काल के हैं। सांची रायसेन जिले की एक नगर पंचायत है। रायसेन जिले में एक अन्य विश्व दाय स्थल, भीमबेटका भी है। विदिशा से नजदीक होने के कारण लोगों में यह भ्रम होता है की यह विदिशा जिला में है। यहाँ छोटे-बड़े अनेकों स्तूप हैं, जिनमें स्तूप संख्या २ सबसे बड़ा है। चारों ओर की हरियाली अद्भुत है। इस स्तूप को घेरे हुए कई तोरण भी बने हैं। स्तूप संख्या १ के पास कई लघु स्तूप भी हैं, उन्ही के समीप एक गुप्त कालीन पाषाण स्तंभ भी है। सांची का महान मुख्य स्तूप, मूलतः सम्राट अशोक महान ने तीसरी शती, ई.पू. में बनवाया था। बाद में इस सांची के स्तूप को सम्राट अग्निमित्र शुंग जीर्णोद्धार करके और बड़ा और विशाल बना दिया । इसके केन्द्र में एक अर्धगोलाकार ईंट निर्मित ढांचा था, जिसमें भगवान बुद्ध के कुछ अवशेष रखे थे। इसके शिखर पर स्मारक को दिये गये ऊंचे सम्मान का प्रतीक रूपी एक छत्र था।.

पहली बार 16 अगस्त को लाल किले से फहराया गया तिरंगा

स्वतंत्रता दिवस पर हर वर्ष 15 अगस्त को लाल किले से देश के प्रधानमंत्री तिरंगा (National Flag) फहराते हैं लेकिन लोकसभा सचिवालय के शोधपत्र के अनुसार पहली बार 16 अगस्त 1947 को लाल किले से तिरंगा फहराया गया था.

5 अंतर खोजे

आप तैयार है न...

ToB बालमन नन्हें कलाकार

भाग - 1

नाम अभिमन्यु कुमार वर्ग-8
उत्क्र० मध्य विधालय दुघरा
भभूआ

Atish Kumar, Manish Kumar,
Priyansha Kumari।
Class 5, N.P.S BHERI(Chand)

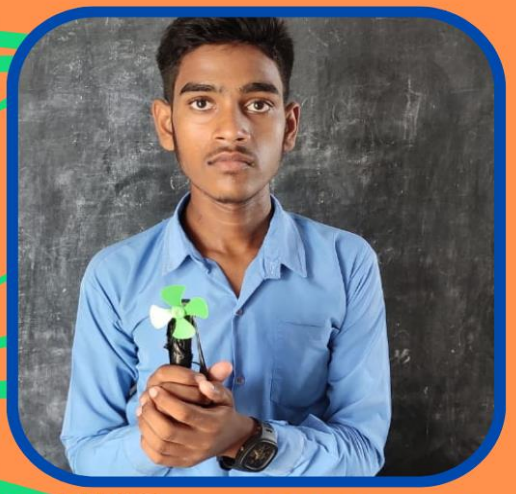

UHS सलथुआ कुदरा

अमरेश कुमार
विद्यालय - एन.एस.पी.एस झौआ टोला,सरौनी कला
वर्ग - 4 जिला - मधेपुरा

आकांक्षा कुमारी वर्ग 6
UMS BHOKHARI (MOHNIYA)

नन्हे कलाकार भाग 2

अर्चना कुमारी वर्ग 8 उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटका कटरा मोहनियां कैमूर

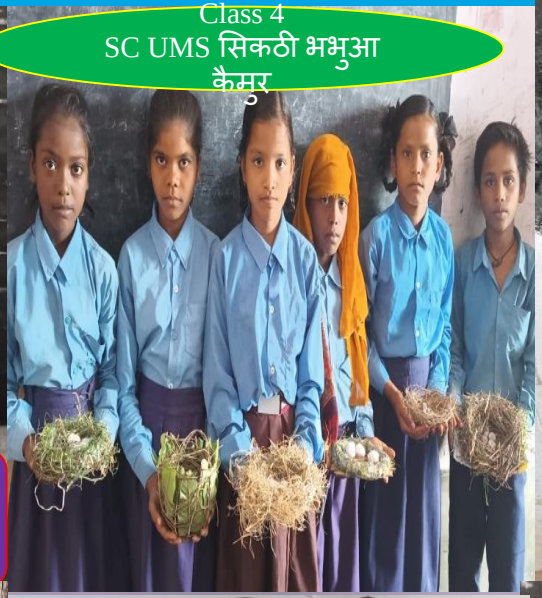

Class 4
SC UMS सिकठी भभुआ
कैमूर

UHS सलथुआ कुदरा

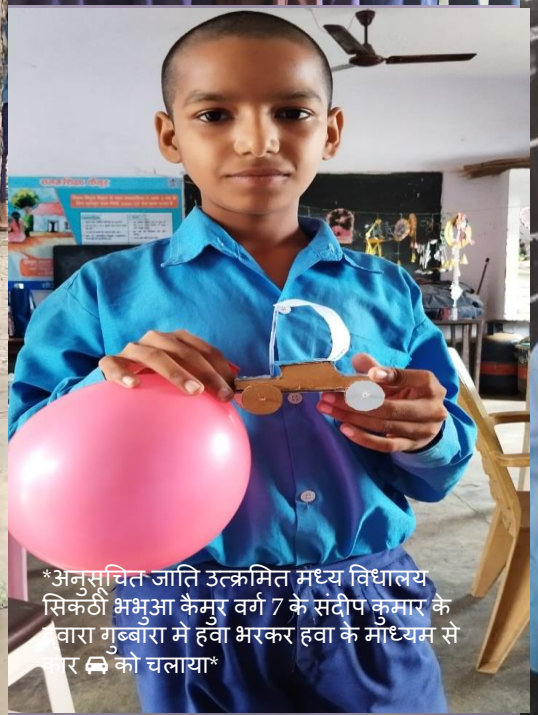

अनुसूचित जाति उत्क्रमित मध्य विधालय सिकठी भभुआ कैमुर वर्ग 7 के संदीप कुमार के द्वारा गुब्बारा मे हवा भरकर हवा के माध्यम से कार 🚗 को चलाया

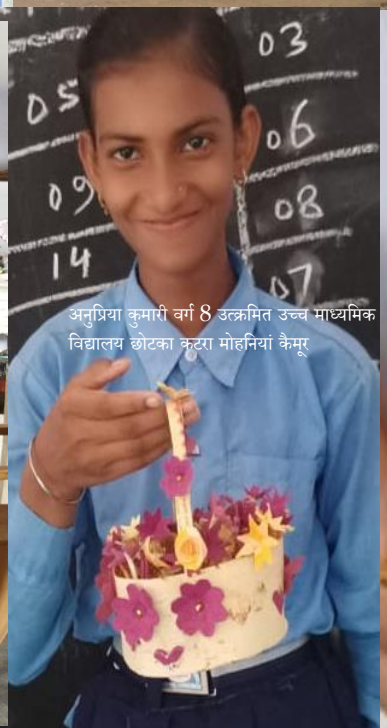

अनुप्रिया कुमारी वर्ग 8 उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटका कटरा मोहनियां कैमूर

Nilu kumari class 6UHS KOTA नुआंव

नन्हे कलाकार भाग 3

अंशु कुमारी और अनुप्रिया कुमारी
UHS छोटका कटरा मोहनियां कैमूर

प्रियंका कुमारी, Class 5,
N.P.S Bheri, चांद

शुभम् कुमारी कक्षा 8
मध्य विद्यालय पाढ़ी
(चांद)

Rekha Kumari, class 7,
U.H.S Bhaluhari
,Chand

संतिमा कुमारी वर्ग 6
UMS भोखरी मोहनियां

नन्हे कलाकार भाग 4

Divya Kumari, Class 6 U M S Basaha, चांद

sittu Kumar, class -7,U.M.S.KHAJHARA

स्वास्थ्य सुझाव

अमरेंद्र कुमार

प्रत्येक दिन किसी न किसी तरह से पसीना बहाने का लक्ष्य रखें—चाहे वह दौड़ना हो, , नृत्य करना हो, हॉट योगा करना हो या कोई अन्य शारीरिक गतिविधि जिसे आप पसंद करते हों।

ToB बालमन कैमूर

अज़ब-गज़ब

1. छाता का प्रयोग शुरुआत में केवल धूप से बचने के लिए आज से लगभग 4000 वर्ष पूर्व मिस्र, ग्रीस और चीन आदि में किया जाता था।

2.केवल 1% ऐसे लोग है जो दोनो हाथो से लिखने की योग्यता रखते है।

3. देश के कुछ राज्यों में अच्छी बारिश के लिए पूरे रीति - रिवाज से मेढक और मेढकी की शादी कराई जाती है फिर उसे पानी में छोड़ दिया जाता है।

4. मरी हुई चीटी में से एक रसायन निकलता है जिससे अन्य चीटियों को उसके मृत होने का पता चलता है। अगर यह केमिकल किसी जिंदा चीटी पर गिर जाए तो अन्य चीटियां उसे मृत मान लेती हैं और उसे भी मरा समझकर वहां से उठाकर हटा देती हैं।

5.बिल्ली का पेशाब अँधेरे में भी चमकता है। बिल्ली के पेशाब में फॉस्फोरस होता है और जब ये फॉस्फोरस ऑक्सीजन के संपर्क में आता है तो वो चमकने लगता है.

धीरज कुमार
UMS सिलौटा भभुआ कैमूर

ToB बालमन कैमूर

थोड़ा मुस्कुरा भी दो ....

1. क्लास समाप्त होने पर टीचर के बाहर निकलते ही एक विद्यार्थी अपने शिक्षक से...

छात्र: सर क्या मैं अभी कुछ पूछ सकता हूं?

शिक्षक (उत्साहित हो कर): हा.. हा...क्यों नही ?

छात्र: सर आप अभी आप कौन सा सब्जेक्ट पढ़ा रहे थे?

.....

2. विज्ञान शिक्षक : बताओ की .....

a.दूध क्यों उफन जाता है?

b. रोटी क्यों जल जाती है?

c. पानी क्यों बह जाता है ?

छात्र: मैं बताता हूं.....

मम्मी के द्वारा ज्यादा WhatsApp चलाने के कारण।

आपके पेंटिंग भाग 1

NPS KAJHAR GHAT (KUDRA)

शोभा कुमारी ,वर्ग 2
प्राथमिक विद्यालय
रामपुर (भभुआ)

हिमांशु कुमार वर्ग 7
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटका कटरा मोहनियां कैमूर

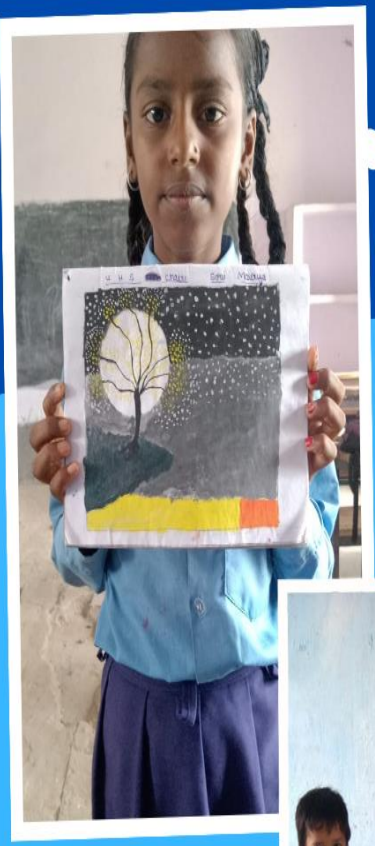

सोनी कुमारी
वर्ग 5
UMS चौरी (चांद)

अंशी कुमारी
प्राथमिक विद्यालय सोनाव
(चांद)

NPS madariya (Chand)

आपके पेंटिंग भाग 2

पूजा कुमारी
UMS सिलौटा भभुआ

NPS कठौरा भभुआ

NPS kajhar ghat kudra

Kajal kumari class-5 UMS
Parmalpur Bhabua

Jyoti Gupta

Supriya Kumari Gupta

Neha Dubey

Anshika Verma

Pari kumari

Project shanti balika +2 high school Mohaniya

आपके पेंटिग भाग 3

किशोरावास्था पर छात्राओं द्वारा किया गया पोस्टर प्रेजेंटेशन (+2 उच्च विद्यालय छांव , दुर्गावती)

UHS सलथुआ कुदरा

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर , मोहनियां

P s khanethi ramgarh

UMS BAHERIYA ,CHAND

आपके पेंटिग भाग 4

NPS अकरी (भभुआ)

न्यू प्राथमिक विद्यालय ढढनिया
जल जीवन हरियाली

उत्क्रमिक विद्यालय अखलासपुर

UMS मुंशीया (मुंगाव)

पेन और पैंसिल आर्ट

=}UMS बेतरी भभुआ

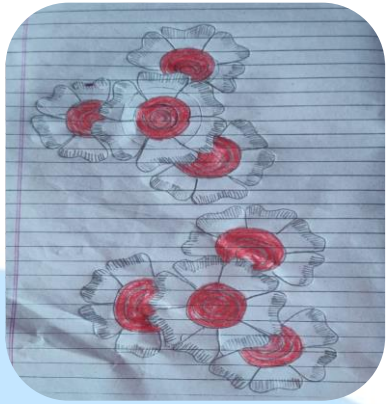

उर्दू प्राथमिक विद्यालय
अखलासपुर,भभुआ

प्राथमिक विद्यालय मोहमदपुर, मोहनियां

बालमन
TOB बूझो तो जानें..

धीरज कुमार

1

24 तीली वाला चक्र।
झंडे के बीच में रहकर
करता हूं फक्र।।

2

चीर कर धरती को,
सोना बाहर हूं लाता ।
धूप,बारिश में भी काम कर
अन्नदाता कहलाता।।

3

सरहद की सुरक्षा इनके कंधो पर।
इनसे सुरक्षित है हम और हमारा घर

4

भारत की शान हूं,हर भारतीय की पहचान हूं।
तीन रंगों से बना हूं ,बताओ मैं कौन हूं?

1. अशोक चक्र 2.किसान
3. सैनिक 4. तिरंगा

Madhu priya

समस्त देशवासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाइयां।

/teachersofbihar

अशोक चक्र का हर एक तीली कुछ कहता है....

ToB बालमन क्विज

सौरमंडल विशेष

1

सूर्य से सबसे दूर का ग्रह है -

A.प्लूटो B. बुध

C. बृहस्पति D. वरुण

2

सबसे तेज गति से सूर्य का चक्कर लगाने वाला ग्रह है -

A. बुध B. शुक्र

C. बृहस्पति D. वरुण

3

किस ग्रह को "पृथ्वी की बहन" कहा जाता है ?

A.मंगल B. बुध

C. शुक्र D. वरुण

4

सौरमंडल की खोज किसने की ?

A.कॉपरनिकस B. केप्लर

C. आर्यभट्ट D. न्यूटन

5

निम्न में कौन एक तारा है -

A.चंद्रमा B. बुध

C. पृथ्वी D. सूर्य

सही उत्तर: 1.D 2.A 3.C 4.A 5.D

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ कैमूर

चेतना सत्र

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा (मोहनियां)

राजकीयकृत मध्य
विद्यालय डहरक (रामगढ़)

UHS भेकास (भभुआ)

UHS सलथुआ (कुदरा)
Galaxy A23

ToB बालमन

दर्शनीय स्थल

बिहार पर्यटन: हरसु ब्रह्मधाम

बिहार के कैमूर जिले में एक ऐसा मंदिर है जिसे लोग भूत-प्रेत मुक्ति मंदिर कहते हैं। ये मंदिर कैमूर जिले के चैनपुर में स्थित है और इसका असली नाम हरसु ब्रह्माधाम है।कैमूर जिले के चैनपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चैनपुर बाजार स्थित हरसू ब्रह्म धाम मंदिर की ख्याति किसी से छुपी हुई नहीं है.।इसकी वजह यहां लोगों की दिन प्रतिदिन बढ़ती हुई आस्था है। मान्यता को जानकर यहां के प्रति लोगों की आस्था बढ़ती जा रही है. हरसू ब्रह्म की धूमधाम से जयंती समारोह मनायी जाती है। जिसमें अलग-अलग राज्यों के श्रद्धालु यहां पहुंचते है।

हरसू पांडे राजा शालिवाहन के मंत्री और राजपुरोहित थे।जिला मुख्यालय भभुआ से लगभग 11 km की दूरी पर चैनपुर से बाजार के रास्ते मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। नवरात्र के समय यहां मेला लगता है जिसमे कई राज्यों से लोग आते है।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

Tuesday

15 अगस्त

1. **भारत का स्वतंत्रता दिवस–** आप सभी को भारतीय स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। 15 अगस्त, 1947ई. को भारत को ब्रिटिश उपनिवेश से आजादी प्राप्त हुई थी। इस आजादी की घोषणा होते ही सम्पूर्ण भारत वर्ष में 200 वर्षो से गुलामी का दंश झेल रहे भारतीयों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। आन–बान–शान की प्रतीक तिरंगा झंडा जब आसमान को चुमता है तो गर्व से हमारे सीने को चौड़ा देता है। 15 अगस्त, 1947 को वायसराइल लॉज (अब राष्ट्रपति भवन) में नई सरकार को शपथ दिलाई जा रही थी तो लॉज के केन्द्रीय गुम्बद पर सुबह साढ़े दस बजे आजाद भारत का राष्ट्रीय ध्वज पहली बार फहराया गया था। इसके पहले 14 अगस्त की शाम को ही वायसराय हाउस के ऊपर से यूनियन जैक हटा लिया गया था। लाल किले की प्राचीर पर आजाद भारत का पहला ध्वज 16 अगस्त, 1947 ई. को प्रातः साढ़े आठ बजे फहराया गया था।
   - **क्या करें?** बच्चों को अपने देश के स्वतंत्रता के इतिहास के बारे में बतायें। आज आप सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ाने वाले कार्यक्रम, एकता को प्रोत्साहन देने वाले कार्यक्रम, प्रभात फेरी आदि करवा सकते हैं।
2. **भारत में प्रथम–** 15 अगस्त, 1854 ई. को पूर्वी भारत की पहली पैसंजर ट्रेन हावड़ा से हुगली के बीच. 37 किमी. की दूरी में चलायी गई थी। हालांकि इसका औपचारिक उद्घाटन वर्ष 1885 में किया गया। 15 अगस्त, 1906 ई. को 'नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन' की स्थापना की गई थी। 15 अगस्त, 1947 ई. को रक्षा वीरता पुरस्कार– परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र स्थापित किया गया था। 15 अगस्त, 1972 ई. को ही भारत में पोस्टल इंडेक्स नम्बर यानी पिन कोड की शुरूआत की गई थी। वर्ष 1982 में 15 अगस्त को ही भारत का प्रथम टेलीविजन स्टेशन 'दूरदर्शन' का शुभारंभ हुआ था।
3. **दक्षिण कोरिया, बहरीन और कांगो की स्वतंत्रता दिवस–** आजादी किसे पसंद नहीं? आपको जान कर आश्चर्य होगा कि आज ही के दिन यानी 15 अगस्त को वर्ष 1945 में दक्षिण कोरिया को जापान से, वर्ष 1960 में कांगो गणराज्य को फ्रांस से और वर्ष 1971 में बहरीन को ब्रिटेन से स्वतंत्रता की प्राप्ति हुई थी।
4. **बांग्लादेश का राष्ट्रीय शोक दिवस–** एक तरफ जहाँ विश्व में चार देश स्वतंत्रता का जश्न मना रहे होते हैं, वहीं 15 अगस्त को बांग्लादेश अपने पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुउर–रहमान की हत्या को शोक मना रहा होता है। 15 अगस्त 1975ई. को उनकी हत्या की स्मृति में बांग्लादेश में राष्ट्रीय शोक मनाया जाता है।

/teachersofbihar

Madhu priya

सुरक्षित शनिवार /बैगलेस

UHS कोटा नुआंव

UHS नरहन रामगढ़

UMS सिलौटा, भभुआ

उर्दू प्राथमिक विद्यालय कोहरी, भभुआ

UMS अर्रा मोहनियां

TEACHERS OF BIHAR

HAPPY RAKSHA BANDHAN

THANK YOU FOR ALWAYS PROTECTING ME

रक्षाबंधन

बालमन

एक नजर इधर भी..

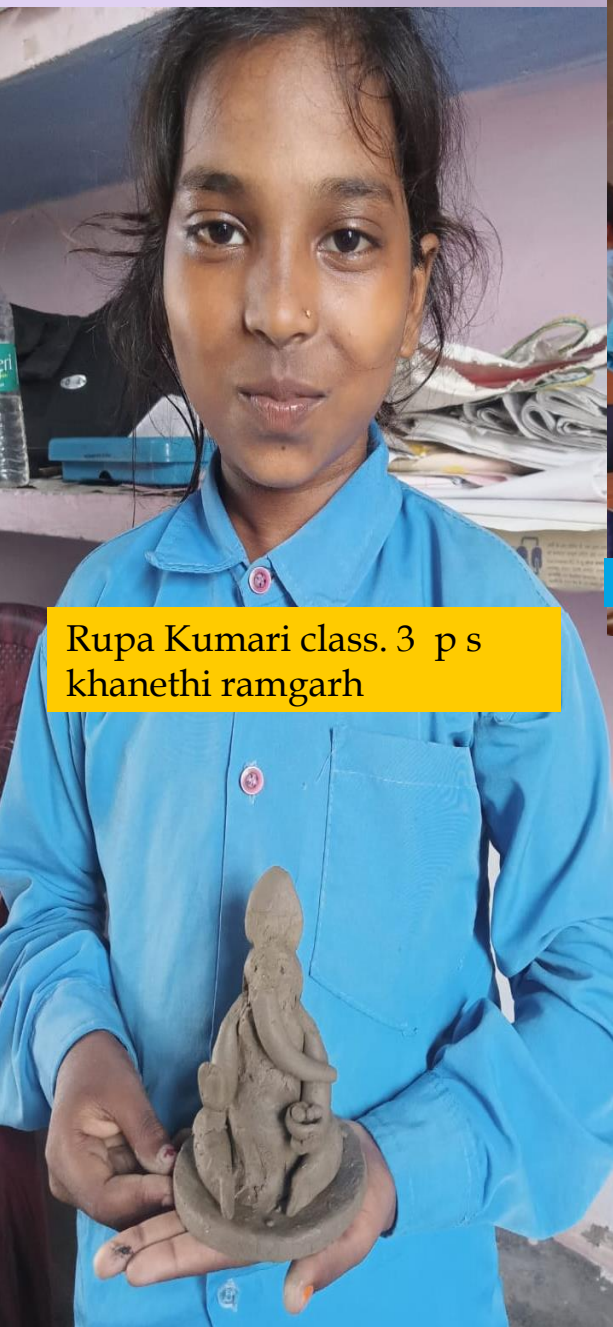

Rupa Kumari class. 3 p s khanethi ramgarh

राजकीयकृत मध्य विद्यालय बैजनाथ, रामगढ़

उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवन्दीया चांद

31/07/2023 10:46

प्राथमिक विद्यालय गजराढ़ी कुदरा

31/07/2023 11:32

ToB बालमन

अगस्त 2023

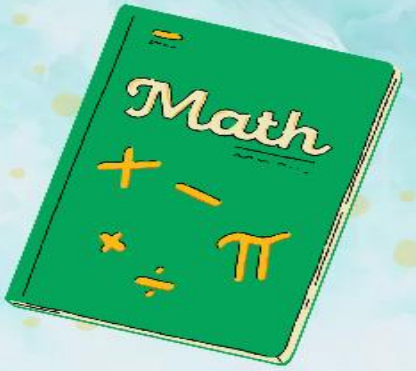

रोचक गणित

1. शून्य को रोमन अंकों में नहीं दर्शाया जा सकता है। यानि रोमन शून्य का प्रयोग नहीं जानते थे।

2. हम एक गोले की परिधि को पूर्णतया सत्य रूप में कभी नहीं जान सकते, क्योंकि हमें "पाई" के मान का सही अंदाजा नहीं है।

3. Dyscalculia एक ऐसी बीमारी है, जिसमे व्यक्ति संख्याओं को समझने और गणित के तथ्यों को सीखने में कठिनाई महसूस करता है।

4. नौ (9) एक जादुई संख्या है,अगर आप 9 के साथ एक संख्या का गुणा करें, प्राप्त संख्या के सभी अंकों को जोड़ें तो परिणामस्वरूप अंकों को जोड़, हमेशा 9 ही मिलेगा।

कुमार राकेश मणि
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा नुआंव कैमूर

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

काला बादल

बादल काला- काला छाया,
इतना प्यारा लगता है।
मोर भी नाचे हाथी भी नाचे,
कितना प्यारा लगता है ।
रिमझिम - रिमझिम बारिश आती,
सुंदर गीत सा लगता है।
बारिश आए तो हरियाली आए,
हर चेहरा खुशहाल लगता है।
बादल काला-काला छाया,
इतना प्यारा लगता हैं।

साक्षी सिंह(छात्रा)
वर्ग 7
UMS दुघरा भभुआ

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

बादल

कारे बादल कारे बादल ।
हम सबके तुम प्यारे बादल।
घुमड़-घुमड़ तुम आते हो ।
सबका मन हर्षाते हो ।
बरसा पानी की बूंदों को ।
धरती की प्यास बुझाते हो।

UHS खनेठी भभुआ

मेंहदी प्रतियोगिता

प्राथमिक विद्यालय गजराढ़ी, कुदरा

UMS अर्रा मोहनियां

Mehndi competition
class-7, 8 UMS
Parmalpur Bhabua

ToB बालमन कविता

स्वस्थ जीवन का संदेश

दादा जी के साथ में,
पहूंचा अस्पताल में।
रोगी बैठें थे अनेक,
डॉक्टर जी आए एक।

कान में आला लगाये,
एक एक रोगी पास बुलाये।
डांक्टर जी ने चेक किया,
दवा देकर इलाज किया।
डॉक्टर जी थे भले व नेक।
रोगी बैठे .....।

डॉक्टर सबको पास बुलाये,
सभी लोगों को खूब समझाये।
सुबह जगना, व्यायाम करना,
संतुलित भोजन समय से करना।
स्वस्थ जीवन का यह संदेश।।
रोगी बैठे .....।

रिंकी कुमारी,
कक्षा -9
उत्क्र0 उ0 मा0 वि0 केवढ़ी

सौजन्य से : बालमन कुदरा

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर कविता

बेटियां

सामाजिक कुरीतियां है फैली,
हमारा समाज हो रहा मैली।
बेटियों की भ्रूण हत्या ने,
उनके जीवन पर प्रश्नचिन्ह डाल दी।।

अगर हम भ्रूण हत्या को रोक नहीं पाए,
हमारा समाज संकट में पड़ जाए।
हम सब मिलकर करें निदान,
भ्रूण हत्या को रोक कर बने महान।।

बेटा बेटी में कोई फर्क नहीं,
उनका जीवन है एक समान।
उन्हें एक अवसर दे करके तो देखो,
बेटा से कम नहीं है बिटिया जहान।।

बाल विवाह पर रोक लगाएं,
उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिलाएं।
जब उनका उम्र 18 से पार हो जाए,
तब जाकर
उनकी शादी करवाएं।।

लैंगिक विभेद कभी मत करना,
तुम बहुत पछताओगे वरना।
सबको समानता का अवसर देकर,
तब उनके पौरुष को देखना।।

सभी पदों पर होगी विराजमान,
तब जाकर होगा समाज एक समान।
बिटिया जब पढ़ेगी,
स्वच्छ निर्मल समाज गढ़ेगी।।

पढ़कर समाज में अपना लोहा मनवाई,
सभी क्षेत्रों में वह परचम लहराई।
किसी से कम नहीं है हमारी बिटिया,
आओ हम सब मिलकर मिटाएं कुरीतियां

अशोक कुमार(शिक्षक)
NPS भटवलिया (नुआंव)
कैमूर

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर

Crossword Puzzle

धीरज कुमार
U.M.S. सिलौटा भभुआ कैमूर

TEACHERS OF BIHAR

बालमन

21 अगस्त

नाग पंचमी की हार्दिक शुभकमना।

www.teachersofbihar.org

बालमन कविता

पृथ्वी दिवस

पृथ्वी दिवस पर अभियान चलाएं ,
एक- एक पौधा जरूर लगाएं।
धरती को बंजर होने से बचाएं,
चलो पृथ्वी दिवस मनाएं।।

पेड़ पौधे ही बरसा कराए,
धरती को स्वर्ग बनाए।
जल स्तर को बरकरार रख पाए,
एक एक पौधा जरूर लगाएं।।

पर्यावरण संतुलन को बनाएं,
धरती से सोना उपजाएं।
तभी जीवन सुलभ हो पाए,
एक एक पौधा जरूर लगाएं।।

पेड़ पौधे वर्षा कराए,
सबके चेहरे पर खुशियां लाए।
मिट्टी के कटाव को रोक पाए,
धरती को उपजाऊ बनाएं।।

हमें प्राणवायु दिलाए,
इससे फल फूल और औषधि पाएं।
हमें कागज लाह गोंद दिलाएं,
एक एक पौधा जरूर
लगाएं।।

अशोक कुमार (शिक्षक)
NPS भटवलिया,नुआंव
कैमूर

माथा पच्ची

1 मिनट में 3 राष्ट्रीय पर्व और 2 प्रधानमंत्री के नाम खोजें और बन जाइए जीनियस।

ग	ण	त	न्	त्र	दि	व	स	गां	न
चा	लौ	रू	बा	क	गा	बा	थु	धी	रे
म	न	मो	ह	न	सिं	ह	न	ज	न्
स्	व	तं	त्रा	दि	व	स	ली	य	द्र
पा	रू	स	ब	शि	ता	प्	ती	न्	मो
ला	ल	ब	हा	दु	र	शा	स्त्री	ती	दी
र	क्षा	बं	ध	न	म	ती	क	डी	तु

खेल कॉर्नर

हॉकी

मेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के विजेता

- **2011** भारत
- **2012** पाकिस्तान
- **2013** पाकिस्तान
- **2016** भारत
- **2018** भारत और पाकिस्तान
- **2021** साउथ कोरिया
- **2023** भारत

तीरंदाजी

17 साल की अदिति ने वर्ल्ड आर्चरी में जीता गोल्ड: एक सीजन में दो टाइटल जीतने वाली दुनिया की पहली तीरंदाज बनीं

17 साल की तीरंदाज अदिति स्वामी ने वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप में देश को पहला इंडिविजुअल गोल्ड दिलाया है। अदिति ने विमेंस कंपाउंड कैटेगरी में मैक्सिको की दो बार की वर्ल्ड चैंपियन एंड्रिया बकेरा को 149-147 से हराया।

ToB बालमन कहानी

अगस्त 2023

निक्कू नेवला की बहादुरी

बड़े से महलनुमा पुस्तैनी घर में नवीन बाबू का परिवार बड़े ही शान शौकत से रहते थे। संयुक्त परिवार की यह विरासत पांच दशक पुरानी थी।पूरे प्रगति नगर में यह परिवार चर्चा में रहती थी। परिवार में प्यार संग रहने वाले नवीन बाबू का यह परिवार इसी कारण से काफी प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका था।या यूं कहें कि प्रगति नगर के लिए नवीन बाबू का परिवार एक नजीर बन चुका था।

शहरी क्षेत्र से सत्रह किलोमीटर दूर स्थित पुस्तैनी घर में नवीन बाबू अपने संयुक्त परिवार में खुशियां का संसार संजोए रखते थे।

बस एक समस्या थी कि वहां एकान्त स्थान पाकर अक्सर विषैले सांपों का उत्पात घर में देखने को मिलता रहता था।

इससे बचने के लिए नवीन बाबू ने अपने हाते में एक नेवला को पाल- पोस कर बरसों से उसे अपने पुस्तैनी घर का प्रहरी बनाकर रखा था।

घर में परिवार के लोगों में निक्कू नेवला घर के सभी लोगों का बड़ा प्रिय सखा बन गया था।

निक्कू नेवला के डर से सांपों की हालत पतली रहता था।यह सब निक्कू नेवला की चतुराई और सांपों से भिड़कर जीतने के कारण बनीं थीं।

एक दिन नवीन बाबू का पोता नंदन आंगन में एक चारपाई पर सोते हुए अपनी अम्मा के द्वारा दिए गए खिलौने से खेल रहा रहा था।

घर की बहू आंगन में घरेलू कामकाज निपटाने में व्यस्त थीं।

तभी एक काला कोबरा नवीन बाबू के पोते नंदन की तरफ़ सरकते हुए धीरे- धीरे बढ़ रहा था।

निक्कू नेवला की तेज़ आंख ने काले कोबरे की यह हरकत देख ली थी।

निक्कू नेवला काले नाग की इच्छा समझ गया था।

वह तुरंत छलांग लगा कर काले कोबरे की मुंह को पकड़ कर बड़ी फुर्ती से अपने मुंह में दबोच लिया। छटपटाहट के बीच कोबरा लाख कोशिश करने पर भी नहीं निकल पाया।

वह लड़ते -लड़ते काफी थक गया।

हार मानकर वह जमीन पर गिर पड़ा।

परन्तु निक्कू ने अंततः उनकी गर्दन नहीं छोड़ी थी। पन्द्रह मिनट के संग्राम में निक्कू नेवला की ही जीत हुई।

घर के आंगन में मृत पड़े काले कोबरे को देखकर नवीन बाबू की बहू चिल्लाते हुए खूब जोर-जोर से शोर मचाने लगीं।

घर के लोग आंगन की ओर दौड़ पड़े क्योंकि आवाज उधर से ही आ रही थी।

बहू ने अपने नंदन को गोद में बिठाकर प्यार से पुचकारने लगीं।

घर में भीड़ लग गई।

सब लोग निक्कू नेवला को अपने बांहों में लेकर प्यार करने लगे।

नवीन बाबू आज़ अपने प्यारे निक्कू नेवला को शाबाशी देते हुए नहीं थक रहे थे।

निक्कू नेवला को हाथों हाथ इतना प्यार मिलते देख पास पड़ोस के लोगों ने भी निक्कू नेवला की खूब प्रशंसा की।

आज़ निक्कू नेवला ने अपनी बहादुरी से नवीन बाबू के घर की खुशियां और खुश्बू बढ़ा दी थी।

आज़ पूरे मोहल्ले में निक्कू नेवला की बहादुरी की चर्चा जोरों पर है।

डॉ० अशोक
पटना, बिहार

ToB बालमन मासिक टैलेंट सर्च प्रतियोगिता

घड़ा/मटका पेंटिंग प्रतियोगिता

UMS धोबहा , चांद

UMS अर्रा मोहनियां

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर, मोहनिया

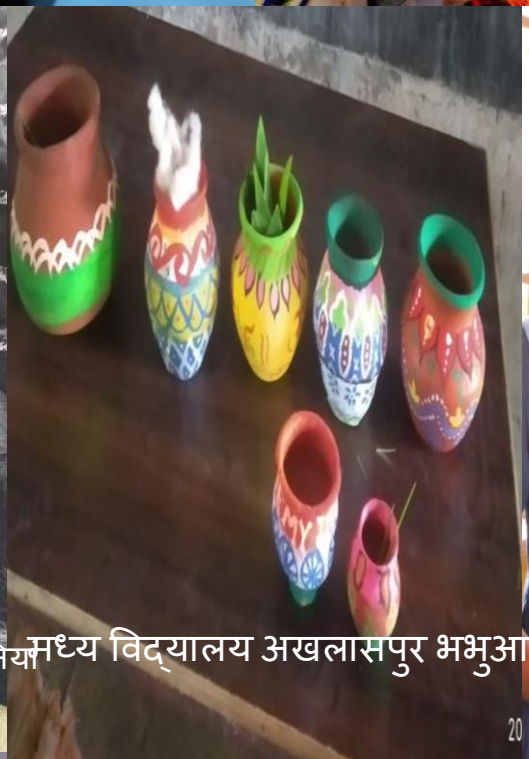

मध्य विद्यालय अखलासपुर भभुआ

UMS दुघरा भभुआ

इसके अतिरिक्त हमे बहुत सारे घड़ा/मटका पेंटिंग्स प्राप्त हुई है,जुड़े एक साथ प्रकाशित नही कर सकते gsiसभी बच्चों सर शिक्षको को धन्यवाद

ToB बालमन मासिक टैलेंट सर्च प्रतियोगिता के

प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा:
नाम : शुभा कुमारी
वर्ग :8
विद्यालय : उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा
प्रखंड : मोहनियां

द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा:

नाम : अंतिमा कुमारी
वर्ग :8
विद्यालय : उत्क्रमित मध्य विद्यालय अरो
प्रखंड : मोहनियां
और
नाम : खुशी कुमारी 2
वर्ग :8
विद्यालय : उत्क्रमित मध्य विद्यालय धो
प्रखंड : चांद

तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा:
नाम : निशा कुमारी
वर्ग :8
विद्यालय : उत्क्रमित म
विद्यालय दुघरा
प्रखंड : भभुआ

तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र:
नाम : हैप्पी तिवारी
वर्ग :8
विद्यालय : उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा
प्रखंड : मोहनियां
और
तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा:
नाम : अंशु कुमारी
वर्ग :8

प्रखंड : चांद

आप सभी को बहुत बहुत बधाई

गणित कॉर्नर

आयतन (VOLUME)

जो वस्तु जितनी जगह घेरती है उसे उस वस्तु क आयतन कहते हैं। किसी वस्तु का आयतन ज्ञात करने के लिए उस वस्तु की लम्बाई, चौड़ाई तथा उँचाई ज्ञात होना आवश्यक हैं। अतः किसी त्रिविमीय आकृति द्वारा घिरा गया स्थान आयतन कहलाता हैं।S.I. पद्धति में आयतन का मात्रक m3 होता है।

कुछ प्रमुख ठोस आकृति के नाम और उनके आयतन:-

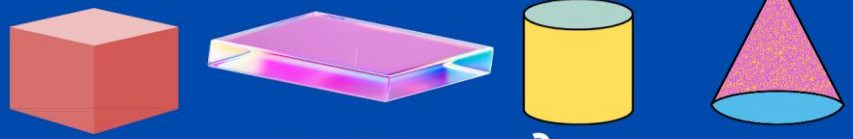

घन | घनाभ | बेलन | शंकु

घन का आयतन = भुजा× भुजा × भुजा=(भुजा)3

घनाभ का आयतन = लम्बाई × चौड़ाई × ऊँचाई

बेलन का आयतन = πr2h

शंकु का आयतन = ⅓ πr2h

धीरज कुमार
प्रधान संपादक
ToB बालमन

विज्ञान कॉर्नर

Class 10

रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं समीकरण

रासायनिक अभिक्रियाओं की विशेषताएँ

किसी भी रासायनिक अभिक्रिया में अभिकारक प्रतिफल के रूप में बदलते हैं। इस क्रिया में कुछ विशेष परिवर्तन देखने को मिलते हैं जो रासायनिक अभिक्रिया के ही परिणाम है। इसी विशेष परिवर्तन को रासायनिक अभिक्रिया की विशेषता कहते हैं।

(1) गैस की उत्पत्ति

(2) अवक्षेप का बनना

(3) रंग में परिवर्तन

(4) ताप में परिवर्तन

(5) अवस्था में परिवर्तन

उपरोक्त किसी भी एक विशेषता से रासायनिक अभिक्रिया की पहचान की जा सकती है।

राजेश कुमार सिंह www.teachersofbihar.org

बालमन बिहार

लक्ष्मी कुमारी, रूपा कुमारी एवं गोविन्द कुमार
विद्यालय -यू.एम.एस सरौनी कला
वर्ग - 5
जिला - मधेपुरा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरौनी कला, जिला - मधेपुरा के बच्चे

रूपा कुमारी
विद्यालय - यू.एम.एस सरौनी कला
वर्ग - 5
जिला -मधेपुरा

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

जयंती विशेष 15 अगस्त

राकेश कुमार

महान क्रांतिकारी व योगी

अरबिंदो घोष

की जयंती पर

विनम्र श्रद्धांजलि

15 अगस्त, 1872 - 5 दिसम्बर, 1950

अरबिंदो घोष *Aurobindo Ghosh*, जन्म: 15 अगस्त, 1872, कोलकाता - मृत्यु: 5 दिसम्बर, 1950, पाण्डिचेरी) का मूल नाम अरबिंदो घोष है किंतु अरविंद भी कहा जाता है। आधुनिक काल में भारत में अनेक महान् क्रांतिकारी और योगी हुए हैं, अरबिंदो घोष उनमें अद्वितीय हैं। अरविंदो घोष कवि और भारतीय राष्ट्रवादी थे जिन्होंने आध्यात्मिक विकास के माध्यम से सार्वभौमिक मोक्ष का दर्शन प्रतिपादित किया।

मधु प्रिया

पटना(बिहार)के सात शहीद सपूत 11 अगस्त

आज से 81 वर्ष पहले आज की तारीख में ही बिहार के सात सपूत अंग्रेजों द्वारा गोली मारे जाने से शहीद हो गए थे। ये सभी छात्र थे और 1942 में अगस्त क्रांति के दौरान 11 अगस्त को दो बजे दिन में पटना के सचिवालय पर झंडा फहराने निकले थे। पटना के उस समय के जिलाधिकारी डब्ल्यू जी आर्थर के आदेश पर पुलिस ने गोलियां चलाई थीं। इसमें लगभग 13 से 14 राउंड गोलियों की बौछार हुई थी। ये सात सपूत थे उमाकांत प्रसाद सिंह, रामानंद सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेन्द्र सिंह और राम गोविंद सिंह।इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे देवीपद चौधरी। देवी पद चौधरी की उम्र 14 साल की थी। वे सिलहट के जमालपुर गांव के रहने वाले थे। वे जब सचिवालय की ओर अपने छह साथियों के साथ बढ़ रहे थे तो पुलिस ने उन्हें रोकना चाहा पर वे रुकने वाले कहां थे। देवीपद तिरंगा थामे आगे बढ़ रहे थे कि पुलिस ने उन्हें गोली मार दी। देवीपद को गिरते देख पटना जिले के दशरथा गांव के रामगोविंद सिंह आगे बढ़े और हाथ में तिरंगा ले लिया। देवकी सिंह के पुत्र रामगोविंद सिंह उस समय पुनपुन के हाईस्कूल में दसवीं कक्षा में पढ़ रहे थे। रामगोविंद सिंह आगे बढ़े पुलिस ने उन्हें भी गोली मारी दी। तिरंगा रामानंद सिन्हा ने थामा और उसे गिरने नहीं दिया। पटना जिले के रहने वाले रामानंद सिंह 10वीं कक्षा के छात्र थे। उनकी शादी हो चुकी थी। रामानंद को गिरता देख सारण जिले के दिघवारा के निवासी राजेन्द्र सिंह ने तिरंगा थामा। राजेन्द्र सिंह आगे बढ़े। गर्दनीबाग उच्च विद्यालय में पढ़ाई कर रहे थे। उनका भी विवाह हो चुका था। राजेन्द्र सिंह के पिता का शिवनारायण सिंह थे। राजेन्द्र सिंह से तिरंगे को गिरता देख जगपति कुमार ने संभाला। जगपति कुमार औरंगाबाद जिले के रहने वाले थे। जगपति कुमार को एक गोली हाथ में लगी दूसरी गोली छाती मे धंसी और तीसरी गोली जांघ में लगी फिर भी तिरंगा नहीं झुका। अब आगे आये भागलपुर जिले (बांका) के बरापुरा ग्राम के श्री मथुरा प्रसाद का सुपुत्र सतीश झा। वे पटना कालेज में पढ़ते थे। तिरंगा फहराने की कोशिश में इन्हें भी गोली मार दी गई। सतीश भी शहीद हो गए पर झण्डा नहीं गिरने दिया। उसे आगे बढ़कर उठा लिया उमाकान्त ने जो मात्र 15 वर्ष के थे। वे पटना के बी.एन.कॉलेज के द्वितीय वर्ष के छात्र थे। पुलिस दल ने उन्हें भी गोली का निशाना बनाया, पर उन्होंने गोली लगने पर भी आखिरकार सचिवालय के गुम्बद पर तिरंगा फहरा ही दिया। इसके बाद वे शहीद हो गए। स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद इस स्थान पर शहीद स्मारक का निर्माण हुआ। इसका शिलान्यास स्वतन्त्रता दिवस को बिहार के प्रथम राज्यपाल जयराम दौलत राय के हाथों हुआ। औपचारिक अनावरण देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 1956 में किया।

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 1)

महाबल भृंगनाथ +2 उच्च विद्यालय कोरीगावा बहेरा (भभुआ) में प्रायोगिक कार्य।

मौलिक अधिकार की जानकारी रोल प्ले द्वारा(UMS अर्रा, मोहनिया)

NPS तरहनी कुदरा का सुसज्जित विद्यालय

रक्षा बंधन
NPS बिंद टोला बेतरी (भभुआ)

रिश्तों की समझ
प्राथमिक विद्यालय बहुदरा, मोहनियां

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 2)

Project shanti balika +2 high school Mohaniya

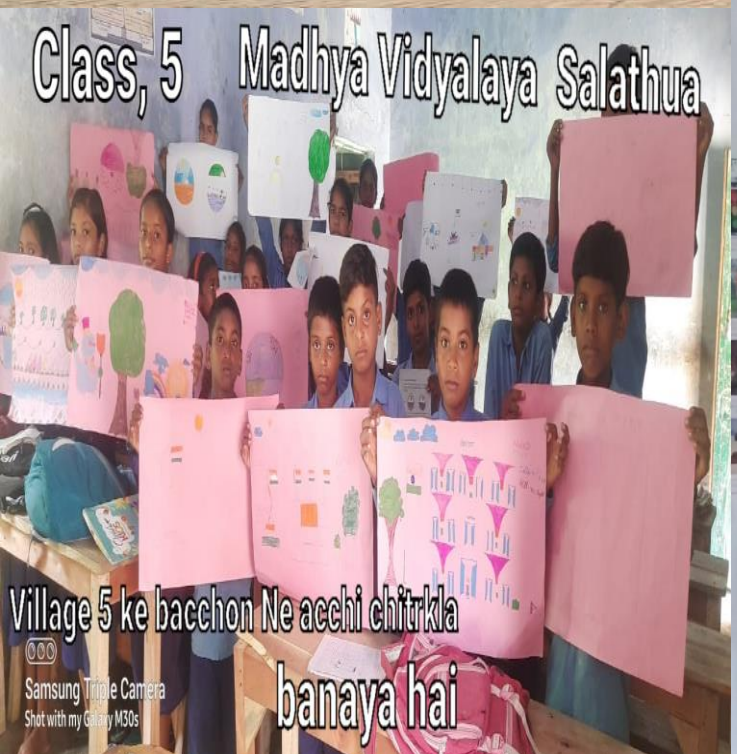

ये है मेरा बिहार
UMS सिलौटा (भभुआ)

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 3)

UMS सिलौटा भभुआ

NPS बिंद टोला बेतरी, भभुआ

UMS सोनडिहरा, भभुआ

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर मोहनियां

UMS अर्रा मोहनियां

इसे भी जानें...

Teachers of Bihar
The Change Makers
राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

अंतर वैयक्तिक कौशल

अंतर वैयक्तिक कौशल हमारे व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत जीवन में अत्यन्त आवश्यक हैं। ऐसे व्यक्ति जिनका अंतर वैयक्तिक कौशल अच्छी होती है उन्हें यह दूसरों के विचारों को समझने व संवाद स्थापित करने में सहजता प्रदान करती है तथा इसकी बदौलत वे आत्मविश्वास के साथ संवाद स्थापित कर पाते हैं।

STUDENT OF THE MONTH

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर

Student of the month

MONTH : AUGUST

YEAR :2023

बालमन कैमूर के तरफ से बहुत – बहुत बधाई

Congratulations!

ToB बालमन

स्टूडेंट ऑफ द मंथ

शिक्षार्थी परिचय

नाम : निशा कुमारी

वर्ग :8

विद्यालय : उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा

प्रखंड : भभुआ

उपलब्धि: कपड़ा सिलाई से शून्य निवेश में द्वारा बहुत सारे उपयोगी वस्तु का निर्माण,चित्रकला संग विद्यालय के सम्पूर्ण कार्यों में भागीदारी।

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर

CERTIFICATE

OF APPRECIATION

THIS AWARDED TO CERTIFY THAT

NISHA KUMARI

Student of the month
AUGUST 2023

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा, भभुआ (कैमूर)

विद्यालय की गतिविधियों में अच्छी भागीदारी के साथ कलात्मक शिक्षा के साथ कबाड़ से जुगाड द्वारा सजावटी सामान निर्माण से उत्कृष्ट कार्य के लिए "स्टूडेंट ऑफ द मंथ " से सम्मानित किया जाता है।

धीरज कुमार
बालमन कैमूर पत्रिका
प्रधान संपादक

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन की तरफ से बहुत बहुत बधाई

TEACHER OF THE MONTH

AUGUST 2023

शिक्षक परिचय

TEACHER OF THE MONTH

अगस्त 2023

नाम : संगीता कुमारी

पद : प्रखंड शिक्षक

विद्यालय: उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा

प्रखंड: मोहनियां

उपलब्धि: गीत के माध्यम से पढ़ाई,खेल - खेल में शिक्षा के साथ नवाचारी शिक्षा के साथ विद्यालय के विभिन्न गतिविधि में शामिल होना।

Congratulations

TEACHERS OF BIHAR

BAALMAN

TEACHER OF THE MONTH

August 2023

Sangita kumari

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा मोहनियां (कैमूर)

गीत द्वारा शिक्षण कार्य सह गतिविधि आधारित शिक्षा और नवाचारी शिक्षा में उत्कृष्ट भागीदारी के लिए बाल मन कैमूर पत्रिका के द्वारा आपको टीचर ऑफ द मंथ की उपलब्धि प्राप्त करने पर सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है।हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

धीरज कुमार
बालमन पत्रिका
प्रधान संपादक

Thank You

अपने सुझाव और जवाब मोबाइल नंबर
9431680675 पर दे सकते है।